आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

कुल पृष्ठ 20 राजस्थान मूल्य ₹ 5.00 (यंग भास्कर, ऐच्छिक ₹ 10.00)

dainikbhaskar.com सीकर, शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024 माघ शुक्ल पक्ष-7, 2080 12 राज्य | 61 संस्करण

शेखावाटी भास्कर

झुंझुनूं, शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024 झुंझुनूं • चिड़ावा • पिलानी सुरजगढ़ • बुहाना • सूरजगढ़ dainikbhaskar.com

कार्यशाला • सीरी में हुई सेमिकंडक्टर डिवाइसेज एंड सेंसर्स विषय पर डीएसटी - एसईआरबी कार्यशाला

अर्थव्यवस्था विकास में अहम हैं सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स- पंचारिया

भास्कर न्यूज | पिलानी

विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (सर्ब) के सौजन्य से सीएसआईआर-सीरी में कार्यशाला हुई। इसमें देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से एमटेक व पीएचडी कर रहे कुल 25 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। इसके अलावा संस्थान के लगभग 75 वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्मिकों, स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में तकनीकी कार्यशाला के माध्यम से आयोजित फेकल्टी डेवलपमेन्ट कार्यक्रम को भारत सरकार के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत सेवारत संस्थान (साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड-एसईआरबी) द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है।

पिलानी. कार्यशाला में उपस्थित वैज्ञानिक।

कार्यशाला की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने की। आयोजन की अध्यक्षता करते हुए डॉ. पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं की चर्चा करते हुए उसमें सेमिकंडक्टर के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है सेमिकंडक्टर। शिक्षाविद डॉ. सुमन जाखड़ एवं डॉ. कौशल कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इससे पूर्व डॉ. सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख सेमिकंडक्टर, सेंसर्स एवं माइक्रोसिस्टम्स समूह ने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों व प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया। इस अवसर पर अतिथियों एवं प्रतिभागियों को संस्थान के विज्ञान संग्रहालय, विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं शोध सुविधाओं का भ्रमण (परिदर्शन) भी कराया गया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. जितेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों को कार्यशाला की संक्षिप्त रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यशाला के अंत में डॉ. प्रमोद तंवर, प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पीएचडी शोध छात्रों एवं शिक्षकों को सेमिकंडक्टर एवं सेंसर्स पर विषय-केंद्रित व्याख्यान एवं प्रशिक्षण देते हुए उन्हें इस विषय की अत्याधुनिक जानकारी देना और देश के लिए कुशल जनशक्ति और नवीन विशेषज्ञ तैयार करना है।